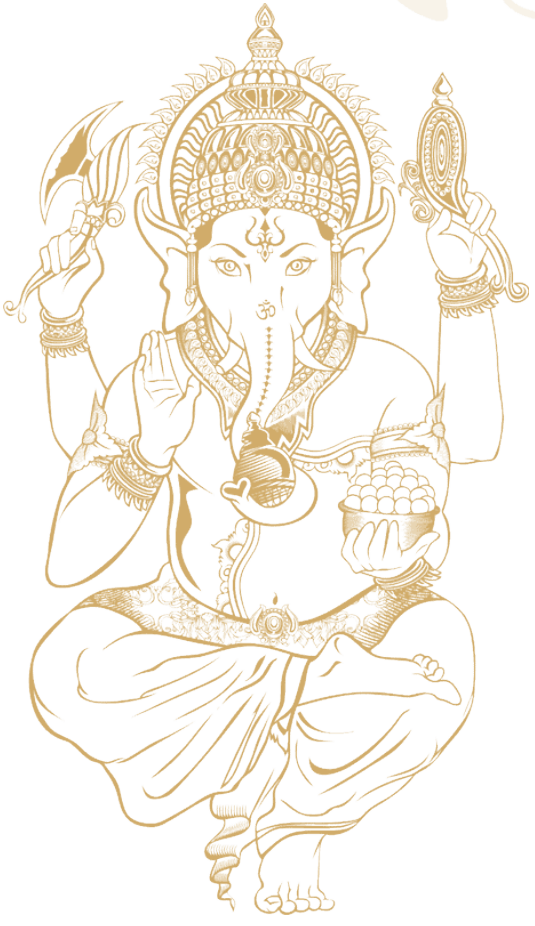

Mr.sarthak jain

26 Feb 2000

09:05 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121165702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	05:25:59 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:38:20 घंटे
वेलान्तर	-00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	18:59:35 घंटे
सूर्योदय	06:54:36 घंटे
सूर्यास्त	18:25:09 घंटे
दिनमान	11:30:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:59:01 कुम्भ
लग्न के अंश	26:42:28 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:42:28	486:54:29	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	12:59:01	01:00:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	01:49:19	12:07:45	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मीन	16:50:36	00:45:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	21:36:05	00:42:40	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	08:05:49	00:11:01	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	15:57:43	01:14:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	18:14:42	00:04:37	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:18:10	00:01:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:18:10	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:04:55	00:03:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:23:03	00:02:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:57:02	00:00:38	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	19:51:14	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

लग्न-चलित

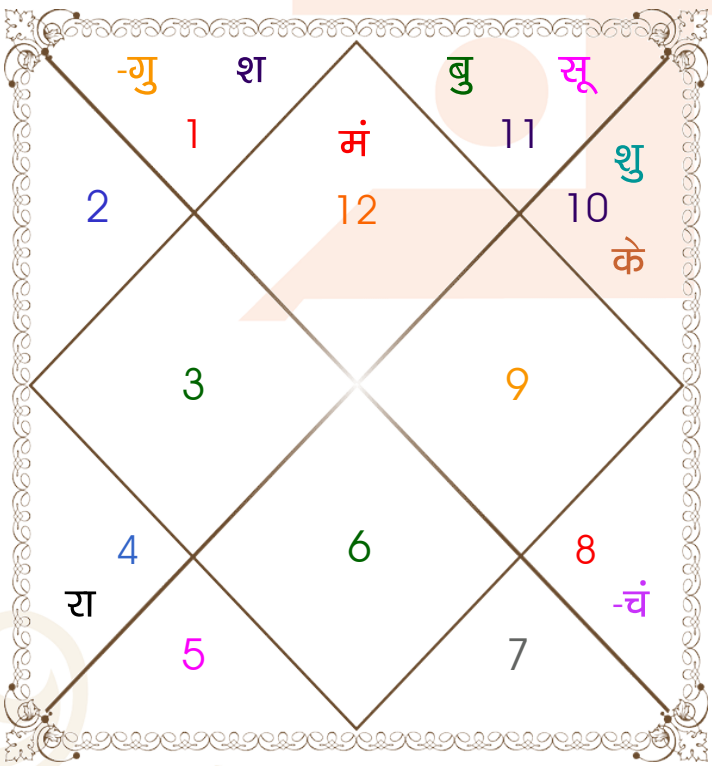

चन्द्र कुंडली

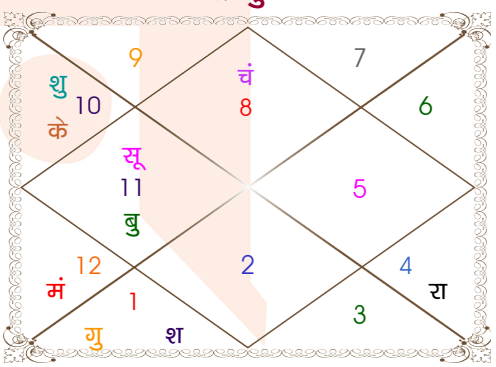

नवमांश कुंडली

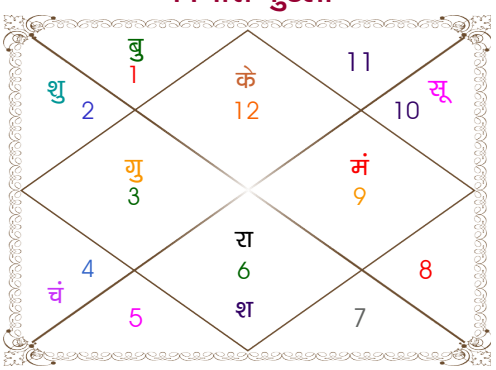

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 9 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/02/2000		19/12/2001		19/12/2020		19/12/2037		19/12/2044	
19/12/2001		19/12/2020		19/12/2037		19/12/2044		19/12/2064	
	00/00/0000	शनि	22/12/2004	बुध	18/05/2023	केतु	17/05/2038	शुक्र	20/04/2048
	00/00/0000	बुध	01/09/2007	केतु	14/05/2024	शुक्र	18/07/2039	सूर्य	20/04/2049
	00/00/0000	केतु	10/10/2008	शुक्र	15/03/2027	सूर्य	22/11/2039	चंद्र	20/12/2050
	00/00/0000	शुक्र	11/12/2011	सूर्य	19/01/2028	चंद्र	22/06/2040	मंगल	19/02/2052
	00/00/0000	सूर्य	22/11/2012	चंद्र	20/06/2029	मंगल	19/11/2040	राहु	18/02/2055
	00/00/0000	चंद्र	23/06/2014	मंगल	17/06/2030	राहु	07/12/2041	गुरु	19/10/2057
	00/00/0000	मंगल	02/08/2015	राहु	03/01/2033	गुरु	13/11/2042	शनि	19/12/2060
	26/02/2000	राहु	08/06/2018	गुरु	11/04/2035	शनि	23/12/2043	बुध	20/10/2063
राहु	19/12/2001	गुरु	19/12/2020	शनि	19/12/2037	बुध	19/12/2044	केतु	19/12/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/12/2064		20/12/2070		19/12/2080		20/12/2087		20/12/2105	
20/12/2070		19/12/2080		20/12/2087		20/12/2105		27/02/2120	
सूर्य	08/04/2065	चंद्र	20/10/2071	मंगल	17/05/2081	राहु	01/09/2090	गुरु	08/02/2108
चंद्र	07/10/2065	मंगल	20/05/2072	राहु	05/06/2082	गुरु	25/01/2093	शनि	21/08/2110
मंगल	12/02/2066	राहु	19/11/2073	गुरु	12/05/2083	शनि	02/12/2095	बुध	26/11/2112
राहु	07/01/2067	गुरु	21/03/2075	शनि	19/06/2084	बुध	20/06/2098	केतु	02/11/2113
गुरु	26/10/2067	शनि	19/10/2076	बुध	17/06/2085	केतु	08/07/2099	शुक्र	03/07/2116
शनि	07/10/2068	बुध	21/03/2078	केतु	13/11/2085	शुक्र	09/07/2102	सूर्य	21/04/2117
बुध	13/08/2069	केतु	20/10/2078	शुक्र	13/01/2087	सूर्य	03/06/2103	चंद्र	21/08/2118
केतु	19/12/2069	शुक्र	19/06/2080	सूर्य	21/05/2087	चंद्र	02/12/2104	मंगल	28/07/2119
शुक्र	20/12/2070	सूर्य	19/12/2080	चंद्र	20/12/2087	मंगल	20/12/2105	राहु	27/02/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा ज्ञात हो रहा है कि आप के जन्म लग्नकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म ज्योतिषीय चयनित समूह में वर्गोत्तम प्रभाव से प्रभावित है। फलस्वरूप आप शारीरिक रूप से आनंदित, धन, प्रसन्नता से युक्त एवं संतोषप्रद सर्वोत्कृष्ट जीवन यापन करेंगे।

यह तथ्य है कि आप वृद्धावस्था तक अच्छी प्रकार अपना जीवन बिताएंगे। आप सांसारिक सुखों का परित्याग करने एवं सन्यास ग्रहण करने के शर्त पर विचार करना प्रारंभ करोगे तथा धर्म दर्शन एवं पराविज्ञान के संबंध में अपनी अभिरूचि का प्रदर्शन करेंगे। आप अपने जन्म राशि के अनुकूल जीवन यापन का प्रयास करोगे। आप पूर्णरूपेण यह जानते हो कि मीन राशीय जातक को मुक्ति मिलती है तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो जाता है। आपकी बुद्धि सर्वोत्कृष्ट विचारों से युक्त है तथा आप यह जानते है कि आदर्श प्राणी किस प्रकार मानवों की सेवा करके जीवन यापन करते हैं। इसलिए आप जीवात्मा के उद्धार के लिए संपादित हो कर पुर्नजन्म अर्थात् आवागमन के चक्कर से मुक्त हो सकते हैं।

आपको अपने अस्तित्व के संबंध में निश्चित रूप से विचार करना चाहिए। आप अपने सद्गुणों का प्रदर्शन करेंगे। आप अपने अभिभावक के प्रति समर्पित एवं धर्म स्थलों का परिदर्शन संतों की सेवा एवं उदार भावनाओं से युक्त हो कर, दान प्रदान करेंगे। आप निः संदेह प्रचूर मात्रा में धनोपार्जन करेंगे। परंतु सुदृढ़ता पूर्वक उत्तम पथ गामी होंगे। आप अन्य लोगों की धन संपत्ति को अनुचित ढंग से अधिग्रहण नहीं करेंगे। लेकिन आप कठिन श्रम एवं समर्पण के कारण धन संचय कार्य के भागीदार बनेंगे। आप एक प्रसिद्ध प्राणी, आनंद पूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले, निरंतर सहायता हेतु हाथ बढ़ाने के लिए उत्सुक रहेंगे जो व्यक्ति आपके संपर्क में रहते हैं, अथवा आपके सहयोग की आकांक्षा रखते हैं। आप सुनिश्चित रूप से एक मनोहर, प्रसन्नतादायक भवन परिवार के युक्त रहेंगे। आप अपनी समझदार पत्नी एवं उदीयमान संतान से युक्त सौभाग्यशाली प्राणी होंगे।

तथापि एक विसंगति आपमें विद्यमान है जिसे स्मरण रखें कि आपके जीवन का 17 वां वर्ष, 21 वां एवं 24 वां वर्ष अन्यों की भांति आपके लिए भाग्यशाली नहीं होगा। आपको इन समयावधि में एक प्रकार की समस्या से संघर्ष करना होगा। अतएव आपको निर्देश दिया जाता है कि उस समय सतर्कता पूर्वक रहना होगा। आपका स्वास्थ्य सामान्तः उत्तम रहेगा। परंतु कालांतर में आप कतिपय रोग यथा आंत्र शोथ, अल्सर एवं वृक्कशोथ रोगादिक समस्याओं के प्रति सतर्क रहने के लिए यदि आप मद्यपान करते है तो उस मद्य के बोतल को त्याग दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्रमाणित है। इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अच्छा दिन नहीं है।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक स्पंदित अनुकूल एवं उत्तम अंक है।

परंतु 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक अंक है।

आपके लिए मात्र एक (ब्लू) नीला रंग प्रतिकूल एवं त्यागनीय है। परंतु रंग, लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए सर्वथा अनुकूल शुभ एवं लाभदायक ळें